

3

न्यायालय भूमि सुधार उपसमाहर्ता, दुमका

नामान्तरण अपील वाद संख्या-20/19-20

अजय राजा, पिता-विजय राजा, पता-कुम्हारपाड़ा दुमका, जिला- दुमका

वनाम

श्रीमती चन्द्रा राय, पति-स्व० कृष्णा लाल राय, पता-सी०डी० 376 नारायण तल्ला

बागुईहाटी(पूर्व०) कोलकाता।

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी के साथ
1	2	3
१.१.२०२१	<p style="text-align: center;">आदेश</p> <p>प्रस्तुत नामान्तरण अपील वाद सं०-20/19-20 में अजय राजा वो विजय राजा के द्वारा अंचल अधिकारी दुमका के नामान्तरण वाद सं०-186/R, 27/2019-2020 में पारित आदेश दिनांक-23.09.2019 के विरुद्ध नामान्तरण अपील वाद दायर किया गया है।</p> <p>मैंने उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना तथा अभिलेख में संलग्न दस्तावेज का अवलोकन किया साथ ही वर्णित जमाबंदी खेसरा एवं नामान्तरण वाद से संबंधित उपायुक्त दुमका के न्यायालय के रे० मि० रिविजन वाद सं०-04/2018-2019 में दिनांक-19.03.2021 में पारित आदेश को देखा। उपायुक्त न्यायालय द्वारा पारित आदेश से स्पष्ट है कि विवादित जमीन के संदर्भ में सिनियर सिविल जज प्रथम दुमका के न्यायालय में टाईटल सूट सं०-28/2017 ओम प्रकाश साह बनाम श्रीमती चन्द्रा राय तथा इस टाईटल सूट के विरुद्ध में क्रॉस टाईटल सूट सं०-03/2017 श्रीमती चन्द्रा राय वनाम ओम प्रकाश साह न्यायालय में लंबित है। दाखिल कागजात के अनुसार टाईटल संबंधित विवादों का निपटारा के लिये सिविल कोर्ट सक्षम न्यायालय है। सी०डब्लू०जे०सी० नं०-1214, 1330, 1331, 1741, 1923 एवं 1924/195 में पारित आदेश जो जे० एल० जे० आर०-2013(1) पेज सं०-95 में प्रकाशित है के अनुसार "A Revenue Authority has no jurisdiction to decide the question of title-any such decision can only be taken by a Court of competent civil jurisdiction cancellation of jamabandi by Revenue authority and setting at naught the right title and interest at their instance, is without jurisdiction"</p>	

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी के साथ
1	2	3

चूँकि प्रस्तुत वाद में उल्लेखित जमीन से संबंधित स्वत्व वाद सक्षम न्यायालय में लंबित है। सक्षम न्यायालय में मामला लंबित रहते हुए निम्न न्यायालय द्वारा आदेश पारित किया जाना नियम संगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसी स्थिति में सक्षम न्यायालय द्वारा अंतिम आदेश पारित होने तक नामान्तरण अपील वाद सं०-20/19-20 को स्थगित रखा जाता है।
लेखापित एवं संशोधित।

इस जमीन के वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
दुमका।

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
दुमका।